मध्य प्रदेश में "कोदों कुरकी" की खेती

6015. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में आदिवासी-क्षेत्र की प्रमुख फसल "कोदों कुरकी" की खेती किन-किन जिलों में तथा कितने भू-क्षेत्र में की जाती है ;

(ख) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने इस फसल को "विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम" में शामिल करने के लिए कोई प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के पास भेजा है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या केन्द्रीय सरकार इस फसल को "विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम" में शामिल करेगी ; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ख) और (ग) जी हां। 1994-95 से विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम को संशोधित कर दिया गया है तथा उसका नाम चावल, गेहूं और मोटे अनाजों का एकीकृत अनाज विकास कार्यक्रम रख दिया गया है। इनमें से चावल और मोटा अनाज कार्यक्रम मध्य प्रदेश के अभिज्ञात प्रखंडों में कार्यान्वित किया जा रहा है। कोदों कुरकी फसल को इस कार्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है।

विवरण

पिछले दो वर्षों में मध्य प्रदेश में कोदो कुरकी के तहत आने वाले जिलों के नाम तथा क्षेत्र

क्रम संख्या	जिला	क्षेत्र (हजार है० में) 1992-93	1993-94
1	2	3	4
1.	रायपुर	17	17
2.	दुर्ग	36	34
3.	राजनन्द गांव	84	77
4.	बस्तर	135	143
5.	बिलासपुर	27	29
6.	सरगूजा	25	25
7.	रायगढ़	22	22
8.	जबलपुर	25	24
9.	बालाघाट	15	15
10.	छिंदवाड़ा	60	57
11.	सिवोनी	40	39
12.	मंडला	113	121
13.	नरसिंहपुर	6	6
14.	सागर	3	3
15.	दोमोह	3	3